कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सनावल

जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)

(संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय,सरगुजा अम्बिकापुर छ.ग.से संवद्व)

विशिष्ट कोड–3606 मो.नं. 7587192835,7354678030

Website: www.gcsanawal.ac.in Email ID – Principalgcs7575@gmail.com

रूसा गतिविधियों का प्रतिवेदन

राज्य परियोजना कार्यालय राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रूसा शासकीय नागार्जुन महाविद्यालय, परिसर रायपुर के पत्र कमांक/127/आउशि/RUSA/2015 दिनांक 13.10.2015 द्वारा चेक कमांक 732796 दिनांक 15.10.2015 द्वारा रूसा गतिविधियों के लिए प्रिपरेटरी गारंट मद में 50000.00 (पच्चास हजार रूपये मात्र) की राशि प्राप्त हुई। संदर्भित पत्र के निर्देशानुसार इस राशि का उपयोग निम्न गतिविधियों के आयोजन में किया गया –

क्र.	कार्यक्रम दिनांक	कार्यक्रम स्थल	कार्यक्रम विवरण
01	14.12.2015	शासकीय उच्चतर मा. शाला सनावल	जी.ई.आर. वृद्वि के लिए पोषक शाला में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों की संख्या– 150 रहीं।
02	03.01.2016	शासकीय उच्चतर मा. शाला डिण्डो शासकीय उच्चतर मा. शाला त्रिशुली	जी.ई.आर. वृद्वि के लिए पोषक शाला में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों की संख्या– 100–100 थी।
03	18.09.2018	शासकीय उच्चतर मा. शाला रामचन्द्रपुर	जी.ई.आर. वृद्वि के लिए पोषक शाला में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों की संख्या– 200 थी।
04	17.11.2018	शासकीय कन्या उच्चतर मा. शाला सनावल	जी.ई.आर. वृद्वि के लिए पोषक शाला में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों की संख्या– 200 थी।
05	22.01.2019	शासकीय महाविद्यालय सनावल	छात्र/छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देने एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए **यातायात नियम एवं साइबर क्राइम** विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें बाहर से विषय पर विशेषज्ञ आमंत्रित थे और 200 छात्र/छात्राएँ लाभान्वित हुए।
06	29.01.2019	शासकीय महाविद्यालय सनावल	छात्र/छात्राओं को परीक्षा एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन देने हेतु **परीक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी** विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें बाहर से विषय पर विशेषज्ञ आमंत्रित थे और 200 छात्र/छात्राएँ लाभान्वित हुए।
07	30.01.2019	शासकीय महाविद्यालय सनावल	छात्र/छात्राओं को साहित्य लेखन, पठन की अभिरूची जगाने एवं उनमें रचनात्मक क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला **साहित्यीक एवं युवागतिविधि तथा व्यक्तित्व विकास** विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें बाहर से विषय पर विशेषज्ञ आमंत्रित थे और 200 छात्र/छात्राएँ लाभान्वित हुए।
08	25.02.2019	शासकीय महाविद्यालय सनावल	पर्यावरण के वैश्विक संकट से छात्रों को रूबरू कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला पर्यावरण जागरूकता विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें बाहर से विषय पर विशेषज्ञ आमंत्रित थे और 200 छात्र/छात्राएँ लाभान्वित हुए।

Government College Sanawal ★ Distt.-Balrampur(C.G.) ★ AISHE Code C-50270

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सनावल

जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)

Mo. no. 9993745833, 7354678030 mail: principalgcs7575@gmail.com

क्रमांक / 102 / सेमिनार / 2020 सनावल, दिनांक : 29/01/2020

प्रति,

आयुक्त,
उच्च शिक्षा संचालनालय,
इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर (छ.ग.)

विषय :– राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजन की सूचना।

——00——

अत्यंत हर्ष का विषय है कि शासकीय महाविद्यालय सनावल जिला -- बलरामपुर -- रामानुजगंज (छ.ग.) में दिनांक 15 फरवरी 2020 (शनिवार) को" जनजातीय विकास : चुनौतियाँ और संभावनाएँ " विषय पर एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित हैं।

इस राष्ट्रीय आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय रामविचार नेताम जी (राज्य सभा सांसद एवं पूर्व मंत्री छ.ग. शासन) उपस्थित रहेंगे। देश के विभिन्न राज्यों से विषय विशेषज्ञ आमंत्रित किये गये है तथा विभाग के अधिकारी / कर्मचारी गण भी इसमें सम्मिलित होंगे।

अतः सादर सूचनार्थ सम्प्रेषित।

संलग्न – 01 आमंत्रण ब्रोशर।

02 कार्यक्रम विवरण।

(डॉ. भरत पाल भृतलहरे)
संयोजक / प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय, सनावल
जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)

पृ.क्रमांक / 103 / सेमिनार / 2020 सनावल, दिनांक 29.01.2020

प्रतिलिपि –

01 कुल सचिव, संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय, अम्बिकापुर (छ.ग.)
02 क्षेत्रीय अपर संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, सरगुजा संभाग अम्बिकापुर (छ.ग.)
03 कलेक्टर, जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
04 पुलिस अधीक्षक, जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
05 प्राचार्य, शासकीय लरंगसाय स्नातकोत्तर एवं अग्रणी महाविद्यालय, रामानुजगंज।
06 थाना प्रभारी, थाना–सनावल जिला– बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

Government College Sanawal
AISHE Code C-50270
Distt.-Balrampur (C.G.)

(डॉ. भरत पाल भृतलहरे)
संयोजक, प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय, सनावल
जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
7354678030, 9993745833

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सनावल,
जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)

सूचना

दिनांक 13.02.2020

महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी दिनांक 15.02.2020 को आयोजन किया जा रहा हैं। राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का विषय– **" जनजातीय विकास : चुनौती और संभावनाएँ "** रखा गया हैं। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से आमंत्रित स्रोत वक्ता, प्रतिभागी प्राध्यापक व शोध छात्र इस विषय पर शोधपरक विमर्श करेंगे। यह महाविद्यालय के लिए अपार हर्ष और गौरव की अनुभूति का क्षण हैं।

अतः आप सभी दिनांक 15.02.2020 को प्रातः 08.00 बजे महाविद्यालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

13/2/2020

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय, सनावल
जिला–बलरामपुर

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

Government College Sanawal ★ Distt.-Balrampur (C.G.) ★
AISHE Code
C-50270

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सनावल

जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज(छ.ग.)

Mo. no. – 9993745833, 7354678030 e-mail: principalgcs7575@gmail.com

एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

"जनजातीय विकास : चुनौतियाँ और संभावनाएँ "

15 फरवरी 2020 (शनिवार)

कार्यक्रम विवरण

प्रात :	09.00 – 09.45 बजे	–	पंजीयन
प्रात :	09.45 – 10.00 बजे	–	**चाय नश्ता**
प्रात :	10.00 – 11.30 बजे	–	उद्घाटन सत्र
प्रात :	11.30 – 12.30 बजे	–	I – तकनीकी सत्र
दोपहर	12.30 – 01.30 बजे	–	II – तकनीकी सत्र
दोपहर	01.30 – 02.30 बजे	–	III – तकनीकी सत्र
दोपहर	02.30 – 03.00 बजे	–	**भोजन**
शाम	03.00 – 04.00 बजे	–	IV – तकनीकी सत्र
शाम	04.00 – 05.00 बजे	–	V – तकनीकी सत्र
शाम	05.00 – 05.30 बजे	–	समापन सत्र

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

Government College Sanawal * Distt.-Balrampur (C.G.) * AISHE Code C-50270

एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
जनजातीय विकास : चुनौतियाँ और संभावनाएँ
15 फरवरी 2020 शनिवार

पंजीयन-प्रपत्र

प्रतिभागी का नाम ....

पदनाम ....

संस्था का नाम ....

पूरा पता ....

....

मोबाइल नं. ....

ई-मेल ....

जन्मतिथि ....

आने का दिनांक व समय ....

आवास व्यवस्था चाहिए - हाँ/नहीं ....

शोध पत्र का शीर्षक ....

....

....

हस्ताक्षर

पंजीयन-शुल्क

* प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक - 500/-
* शोध छात्र/अतिथि व्याख्याता - 300/-
* विद्यार्थी - 100/-
* आवास एवं भोजन व्यवस्था निःशुल्क
* पंजीयन शुल्क का भुगतान संगोष्ठी स्थल पर नगद करना होगा।
* यात्रा भत्ता केवल आमंत्रित वक्ताओं को ही देय होगा।

संपर्क - E-mail : sanawalseminar2020@gmail.com
Mobile : 7354678030, 9993745833

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

Government College Sanawal
AISHE Code C-50270
Distt. Balrampur (C.G.)

आमंत्रण

एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
जनजातीय विकास : चुनौती और संभावनाएँ
15 फरवरी 2020 शनिवार

प्रति,
प्रो./डॉ.

प्रेषक
डॉ. हेमन्त पाल घृतलहरे
सहायक प्राध्यापक - हिन्दी/प्र. प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
मो. नं. : 7354678030, 9993745833

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग

शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला-बलरामपुर - रामानुजगंज (छ.ग.)

एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
जनजातीय विकास : चुनौतियाँ और संभावनाएँ
15 फरवरी 2020 शनिवार

- आयोजक -
हिन्दी विभाग, शास. महाविद्यालय, सनावल

- प्रायोजक -
छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, नवा रायपुर

- संरक्षक/संयोजक -
डॉ. हेमन्त पाल घृतलहरे
सहायक प्राध्यापक - हिन्दी/प्र. प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला : बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
मो.नं. : 7354678030, 9993745833

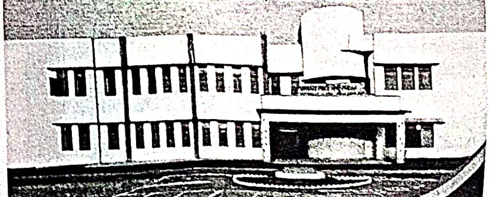

आमंत्रण निवेदन

प्रिय आत्मन!

सादर अभिवादन!

अत्यंत हर्ष का विषय है कि शासकीय महाविद्यालय सनावल, जिला-बलरामपुर, रामानुजगंज (छ.ग.) में दिनांक 15 फरवरी 2020, शनिवार को ''जनजातीय विकास : चुनौतियाँ और संभावनाएँ'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। आप सादर आमंत्रित हैं। कृपया अपनी गरिमामय उपस्थिति एवं अमूल्य सुझावों से इस रचनात्मक आयोजन को सार्थकता प्रदान करेंगे।

महाविद्यालय परिचय

सरगुजा (छ.ग.) के उत्तरी अंतिम छोर पर ग्रामीण अंचल व जनजातीय बहुल क्षेत्र सनावल में छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जुलाई 2011 में शासकीय महाविद्यालय सनावल की स्थापना हुई। इस महाविद्यालय में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अंतर्गत बी.ए., बी.एस-सी., बी.कॉम. (स्नातक पाठ्यक्रम) संचालित हैं। वर्तमान में इस महाविद्यालय में 237 छात्र-छात्राएँ नियमित अध्ययनरत हैं। दूरस्थ ग्रामीण अंचल एवं सुविधाविहीन क्षेत्र होने के बावजूद यहाँ परीक्षा, पर्यावरण जागरूकता, राष्ट्रीय सेवा योजना, साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं अन्य युवा गतिविधियों के बेहतर आयोजन किये जा रहे हैं तथा महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका - ''हम होंगे कामयाब'' का प्रकाशन किया जा रहा है। 'कॉलेज आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत छात्रों के घर-घर जाकर पालक संपर्क किया जाता है। महाविद्यालय में ड्रेस कोड लागू है। सीमित संसाधनों में बेहतर करने का प्रयास है व नैक मूल्यांकन कराने हेतु संकल्पित हैं।

पहुँच मार्ग

सनावल आने के लिये बस मार्ग है, अम्बिकापुर से सनावल बस सुविधा है। बनारस (260 कि.मी.) अथवा इलाहाबाद (330 कि.मी.) से वाड्रफनगर (प्रेमनगर) होकर सनावल आ सकते हैं तथा गढ़वा रोड (110 कि.मी.) से रामानुजगंज होकर सनावल आया जा सकता है। अम्बिकापुर से जरही वाड्रफनगर होकर 140 कि.मी. व राजपुर बलरामपुर होकर 160 कि.मी. पर सनावल है।

संगोष्ठी का विषय-वस्तु

छत्तीसगढ़ राज्य जनजाति बहुल राज्य है, यहाँ जनजातियों की संख्या 32 प्रतिशत है। इसी तरह भारत में जनजातियों की कुल आबादी 7.5 प्रतिशत है। आजादी के इतने वर्षों बाद भी जनजातियों की स्थिति आज बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, प्रशासनिक एवं न्यायिक क्षेत्रों में उनकी अस्मिता व भागीदारी सशक्त रूप में पर्याप्त उभार नहीं ले सकी है। आज भी वे शोषण के शिकार हैं। गरीबी, बेकारी, भूखमरी, अशिक्षा, बीमारी जैसी समस्याओं से घिरे हुए हैं। कुछ जनजातियों की भाषा व संस्कृति विलुप्ति के कगार पर हैं, तो कई जनजातियाँ ही विलुप्तप्राय हो गई हैं। इस संगोष्ठी में विविध पहलुओं पर शोधपरक तथ्यात्मक विमर्श करते हुए जनजातीय विकास की दिशा में चुनौतियों एवं संभावनाओं पर सार्थक संवाद की कोशिश की जाएगी।

शोध (विमर्श) के बिन्दु (उपविषय)

- जनजातीय समाज की अवधारणा
- जनजातीय समाज और जनजातीय अस्मिता बोध
- जनजातीय समाज का शैक्षणिक विकास
- जनजातीय समाज का आर्थिक विकास
- जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत
- जनजातीय समाज में प्रथा, परंपरा, मान्यताएँ, सामाजिक नियम
- जनजातीय समाज और जल, जंगल, जमीन के प्रश्न
- जनजातीय समाज आरक्षण, एट्रोसिटी एक्ट और शासकीय योजनाएँ
- जनजातीय समाज और प्रशासन में उनकी भूमिका
- जनजातीय समाज की बोली-भाषाएँ
- जनजातीय समाज और जनजातीय साहित्य
- जनजातीय खेल, उत्सव, पर्व, मेले
- भारतीय संविधान और जनजातीय समाज
- जनजातीय समाज और पर्यावरण संरक्षण
- जनजातीय समाज की विलुप्त प्राय जातियाँ : समस्या, कारण व निदान
- जनजातीय समाज में धार्मिक विविधताएँ और धर्मान्तरण
- भारत में जनजातीय समूह
- जनजातीय समाज के महापुरूष
- स्वाधीनता आंदोलन और जनजातीय समाज
- औद्योगिक क्रांति, और जनजातीय समाज
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता और जनजातीय समाज
- छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ
- जनजातीय समाज आज भी उपेक्षित क्यों ?
- जनजातीय समाज में महिलाओं की स्थिति
- भारतीय राजनीति और जनजातीय समाज
- छत्तीसगढ़ राज्य में जनजातीय नेतृत्व
- जनजातीय समाज और स्वास्थ्य समस्याएँ
- नक्सल समस्या और जनजातीय समाज का विस्थापन

आयोजन समिति

1.	डॉ. हेमन्त पाल घृतलहरे	(संयोजक)	- 7354678030
2.	प्रो. महेन्द्र कुमार उके	(सदस्य)	- 9425546384
3.	श्री हृदयनाथ विश्वकर्मा	(सदस्य)	- 8435654747
4.	श्रीमती संध्या कुशवाहा	(सदस्य)	- 8889126832
5.	श्री लक्ष्मण सिंह	(सदस्य)	- 6269828294
6.	श्री ओमकार कुषवाहा	(सदस्य)	- 7566433879
7.	श्री खोरबहरा पटेल	(सदस्य)	- 7587381843
8.	श्री महेन्द्र कौषिक	(सदस्य)	- 9425205396
9.	श्री प्रदीप कुमार	(सदस्य)	- 8959813186
10.	श्री पंकज यादव	(सदस्य)	- 9753326479
11.	श्रीमति राजमति आयम	(सदस्य)	- 8964810556

मार्गदर्शन/सलाहकार मण्डल

1. डॉ. युगल भारती (पूर्व अपर संचालक - छ.ग. उच्च शिक्षा विभाग)
2. डॉ. एस.के.त्रिपाठी (क्षेत्रीय अपर संचालक-सरगुजा संभाग, अम्बिकापुर)
3. डॉ. एस.आर. कमलेश (क्षेत्रीय अपर संचालक - बिलासपुर संभाग)
4. श्री बी.के. एक्का (कुल सचिव, संत गहिरागुरू विश्वविद्यालय सरगुजा, अम्बिकापुर
5. डॉ. आर.एस.अग्रवाल (प्राचार्य-अग्रणी महाविद्यालय, रामानुजगंज)
6. डॉ. एस.एल. निराला (प्राचार्य-बिलासपुर (छ.ग.))
7. डॉ. पी.आर. कोसरिया (प्राचार्य-शासकीय महाविद्यालय, वाड्रफनगर)
8. डॉ. अनिल भतपहरी (सहायक संचालक - छ.ग. शासन, उ.शि. विभाग, रायपुर)
9. प्रो. जी.ए. घनश्याम (रूसा - कार्यालय, रायपुर, छ.ग.)
10. प्रो. गिरिजाशंकर गौतम (पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर, छ.ग.)
11. प्रो. देवेन्द्र सिंह (गुरू घासीदास केन्द्रीय वि.वि. बिलासपुर)
12. प्रो. शाकिर शेख (पूना महाराष्ट्र)
13. प्रो. विवेक कुमार हिन्द (तिलका मांझी वि.वि. भागलपुर, बिहार)
14. डॉ. बबलू सिंह (अमरोहा, उ.प्र.)
15. डॉ. कर्मानन्द आर्य (केन्द्रीय विश्वविद्यालय गया)
16. डॉ. अनसूया अग्रवाल (महासमुन्द, छ.ग.)
17. डॉ. देवी प्रसाद वर्मा (नीमकाथाना, राजस्थान)
18. डॉ. उत्तम अलतेकर (कोल्हापुर, महाराष्ट्र)
19. प्रो. सीताराम अनारे (इन्दौर, म.प्र.)
20. प्रो. जवाहर पाटले (धमतरी छ.ग.)
21. प्रो. माया परस्ते (गुना, म.प्र.)
22. प्रो. रावेन्द्र साहू (सतना, म.प्र.)
23. डॉ. आर.बी.सोनवानी (रामानुजगंज, छ.ग.)
24. प्रो. कमलेश नेगी (सीहोर, म.प्र.)
25. प्रो. कुसुम माधुरी टोप्पो (कांसाबेल, छ.ग.)
26. प्रो. देवानंद बोरकर (बलौदा बाजार, छ.ग.)
27. प्रो. विजय लक्ष्मण साठे (कोल्हापुर, महाराष्ट्र)

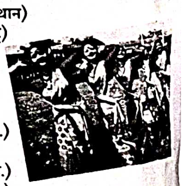

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सनावल

जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

Mo. no. - 9993745833, 7354678030 E-mail: principalgcs7575@gmail.com

क्रमांक/92/सेमिनार/2020 सनावल, दिनांक : 29/01/2020

प्रति,

डॉ. अनुज लुगुन जी

सहायक प्राध्यापक भारतीय भाषा केन्द्र हिन्दी

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया (बिहार)

विषय :- राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में आधार वक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में आमंत्रण बाबत्।

महोदय,

सादर अभिवादन !

अत्यंत हर्ष का विषय है कि शासकीय महाविद्यालय सनावल, जिला– बलरामपुर – रामानुजगंज (छ.ग.) में दिनांक 15 फरवरी 2020 (शनिवार) को " जनजातीय विकास : **चुनौतियॉ और संभावनाएँ** " विषय पर एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित हैं।

इसमें आपको आधार वक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में आधार व्याख्यान हेतु सादर आमंत्रित किया जाता हैं। कृपया अपनी सहमति अविलंब भेजने का कष्ट करेंगे। धन्यवाद !

आदर एवं सद्भावना सहित्।

29/01/2020

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

Government College Sanawal
AISHE Code C-50270
Distt.-Balrampur (C.G.)

(डॉ. हेमन्त पाल घृतलहरे)
संयोजक/प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय, सनावल
जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
7354678030, 9993745833

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सनावल

जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)

Mo. no. -- 9993745833, 7354678030 e-mail: principalgcs7575@gmail.com

क्रमांक / 91 / सेमिनार / 2020 सनावल, दिनांक : 29/01/2020

प्रति,

डॉ. कर्मानन्द आर्य जी

सहायक प्राध्यापक भारतीय भाषा केन्द्र हिन्दी

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया (बिहार)

विषय :– राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में स्रोत वक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में आमंत्रण बाबत्।

महोदय,

सादर अभिवादन !

अत्यंत हर्ष का विषय है कि शासकीय महाविद्यालय सनावल, जिला– बलरामपुर – रामानुजगंज (छ.ग.) में दिनांक 15 फरवरी 2020 (शनिवार) को " जनजातीय विकास : चुनौतियाँ और संभावनाएँ " विषय पर एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित हैं।

इसमें आपको स्रोत वक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में व्याख्यान हेतु सादर आमंत्रित किया जाता हैं। कृपया अपनी सहमति अविलंब भेजने का कष्ट करेंगे। धन्यवाद !

आदर एवं सद्भावना सहित्।

29/01/2020

(डॉ. हेमन्त पाल घृतलहरे)

संयोजक / प्राचार्य

शासकीय महाविद्यालय, सनावल

जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)

7354678030, 9993745833

प्राचार्य

शासकीय महाविद्यालय सनावल

जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

Government College Sanawal ★ Distt.-Balrampur (C.G.) ★ AISHE Code C-50270

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सनावल

जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज(छ.ग.)
Mo. no. – 9993745833, 7354678030 e-mail: principalgcs7575@gmail.com

कमांक/78/सेमिनार/2020 सनावल, दिनांक : 29/01/2020

प्रति,

डॉ. बबलू सिंह जी

असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी विभाग

जगदीश सरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमरोहा (उ.प्र.)

विषय :– **राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में स्रोत वक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में आमंत्रण बाबत्।**

महोदय,

सादर अभिवादन !

अत्यंत हर्ष का विषय है कि शासकीय महाविद्यालय सनावल, जिला– बलरामपुर – रामानुजगंज (छ.ग.) में दिनांक 15 फरवरी 2020 (शनिवार) को" **जनजातीय विकास : चुनौतियाँ और संभावनाएँ** ". विषय पर एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित हैं।

इसमें आपको स्रोत वक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में व्याख्यान हेतु सादर आमंत्रित किया जाता हैं। कृपया अपनी सहमति अविलंब भेजने का कष्ट करेंगे। धन्यवाद !

आदर एवं सद्भावना सहित्।

29/01/2020

(डॉ. हेमन्त पाल घृतलहरे)
संयोजक/प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय, सनावल
जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
7354678030, 9993745833

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

Government College Sanawal ★ Distt.-Balrampur(C.G.) ★
AISHE Code C-50270

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सनावल

जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज(छ.ग.)
Mo. no. – 9993745833, 7354678030 e-mail: principalgcs7575@gmail.com

कमांक / 94 / सेमिनार / 2020 सनावल, दिनांक : 29 / 01 / 2020

प्रति,

डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जी

असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी

श्री अग्रसेन पी.जी. कॉलेज मऊ रानी पुर झासी (उ.प्र.)

विषय :– राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में स्रोत वक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में आमंत्रण बाबत् ।

महोदय,

सादर अभिवादन !

अत्यंत हर्ष का विषय है कि शासकीय महाविद्यालय सनावल, जिला– बलरामपुर – रामानुजगंज (छ.ग.) में दिनांक 15 फरवरी 2020 (शनिवार) को" **जनजातीय विकास : चुनौतियॉ और संभावनाएँ** " विषय पर एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित हैं।

इसमें आपको स्रोत वक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में व्याख्यान हेतु सादर आमंत्रित किया जाता हैं। कृपया अपनी सहमति अविलंब भेजने का कष्ट करेंगे। धन्यवाद !

आदर एवं सद्भावना सहित्।

29/01/2020

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला - बलरामपुर (छ.ग.)

Government College Sanawal ★ AISHE Code C-50270 ★ Distt.-Balrampur(C.G.)

(डॉ. हेमन्त पाल घृतलहरे)
संयोजक / प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय, सनावल
जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
7354678030, 9993745833

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सनावल

जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज(छ.ग.)
Mo. no. – 9993745833, 7354678030 e-mail: principalgcs7575@gmail.com

कमांक / 93 / सेमिनार / 2020 सनावल, दिनांक : 29 / 01 / 2020

प्रति,

डॉ. अजय कुमार जी

असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी

महामाया राजकीय महाविद्यालय कौशाम्बी (उ.प्र.)

विषय :– **राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में स्रोत वक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में आमंत्रण बाबत्।**

महोदय,

सादर अभिवादन !

अत्यंत हर्ष का विषय है कि शासकीय महाविद्यालय सनावल, जिला– बलरामपुर – रामानुजगंज (छ.ग.) में दिनांक 15 फरवरी 2020 (शनिवार) को'' **जनजातीय विकास : चुनौतियॉ और संभावनाऍ** '' विषय पर एक दिवसीय अंतर्विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित हैं।

इसमें आपको स्रोत वक्ता (विषय विशेषज्ञ) के रूप में व्याख्यान हेतु सादर आमंत्रित किया जाता हैं। कृपया अपनी सहमति अविलंब भेजने का कष्ट करेंगे। धन्यवाद !

आदर एवं सद्भावना सहित्।

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

Government College Sanawal
AISHE Code C-50270
Distt.-Balrampur (C.G.)

29/01/2020

(डॉ. हेमन्त पाल घृतलहरे)
संयोजक / प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय, सनावल
जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
7354678030, 9993745833

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
(संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय,सरगुजा अम्बिकापुर छ.ग.से संबंद्व)
विशिष्ट कोड–3606 मो.नं. 7587192835,7354678030
Website: www.gcsanawal.ac.in Email ID – principalgcs7575@gmail.com

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का प्रतिवेदन
" जनजातीय विकास चुनौतियाँ और संभावनाएँ "

शासकीय महाविद्यालय, सनावल जिला–बलरामपुर छ.ग. द्वारा एक दिवसीय अन्तर्विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन 15 फरवरी 2020 को किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में छ.ग. राज्य के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान में राज्यसभा सांसद माननीय रामविचार नेताम जी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.एस.के. त्रिपाठी (क्षेत्रीय अपर संचालक उच्च शिक्षा विभाग सरगुजा संभाग, अम्बिकापुर) ने की। आधार वक्ता के रूप में डॉ. अनुज लुगुन (साहित्य अकादमी पुरूस्कार प्राप्त कवि एवं सहायक प्राध्यापक हिन्दी, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय गया, बिहार) उपस्थित थे। प्रथम तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. कर्मानन्द आर्य (कवि एवं समीक्षक, सहायक प्राध्यापक हिन्दी, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय गया, बिहार)) उपस्थित थे। द्वितीय तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. बबलू सिंह (संपादक रिसर्च जर्नल, सहायक प्राध्यापक हिन्दी, जगदीश शरण हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमरोहा, उ.प्र.) उपस्थित थे। तृतीय तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. अजय कुमार (लेखक एवं कवि, सहायक प्राध्यापक हिन्दी, महामाया राजकीय महाविद्यालय, कौशाम्बी, उ.प्र.) उपस्थित थे। चतुर्थ तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. धर्मेन्द्र कुमार (साहित्यकार, सहायक प्राध्यापक हिन्दी, श्री अग्रसेन पी.जी. कालेज मउ रानीपुर झांसी, उ.प्र.) उपस्थित थे। पंचम तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. प्यारेलाल आदिले (प्राचार्य एवं राजनीति विज्ञान विभाग , जे.बी.डी. महाविद्यालय, कटघोरा, कोरबा छ.ग.) उपस्थित थे। समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ आर.एस.अग्रवाल प्राचार्य एवं इतिहास विभाग, शासकीय लरंगसाय स्नातकोत्तर एवं अग्रणी महाविद्यालय, रामानुजगंज उपस्थित थे। समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ.पी.आर. कोसरिया प्राचार्य एवं भाषाविद शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय, वाड्रफनगर ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. बी.के.गर्ग (प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, राजपुर), श्री पीयूष कुमार (प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, रामचन्द्रपुर), श्री बाबूलाल लहरे (पोषक शाला प्राचार्य, शाकीय उ.मा.विद्यालय, राचन्द्रपुर), श्री बी.डी.लाल गुप्ता (जनपद उपाध्यक्ष, राचन्द्रपुर जिला–बलरामपुर छ.ग.) उपस्थित थे। इस आयोजन में छ.ग., म.प्र., उ.प्र., बिहार आदि राज्यों के शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय अतिथियों द्वारा धूप–दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रगान एवं छ.ग. के राजगीत से विधिवत प्रारंभ करते हुए संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया तथा कार्यक्रम के समापन में वन्देमातरम् गीत गाया गया। इस संगोष्ठी में उदघाटन सत्र, समापन सत्र एवं पॉच तकनीकी सत्र हुऐ जिसमें आमंत्रित विषय विशेषज्ञों ने अपने उदबोधन दिये तथा अन्य वक्ता एवं शोध छात्रों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

इस संगोष्ठी के संयोजक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एच.पी.घृतलहरे ने स्वागत उदबोधन देते हुए संगोष्ठी के विषय, रूप–रेखा पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय की विकास यात्रा को संक्षिप्त में रेखांकित किया। उन्होंने जनजातीय समाज उपेक्षित क्यो? इस विषय पर बात रखते हुऐ आदिवासी समाज की पीड़ा की ओर ध्यान आकृष्ट किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय रामविचार नेताम जी ने कहा कि लोग आदिवासी जीवन की बात करते है और हम उसे जीते हैं, आज भी आदिवासी समाज के प्रति आम धारणा नहीं बदली हैं, संविधान के रास्ते पर चल कर ही जनजातीय समाज विकास कर सकेगा। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुऐ कार्यक्रम की सफलता की अग्रिम शुभकानाए दी। आधार वक्ता डॉ. अनुज लुगुन ने कहा कि आदिवासी समाज प्राकृतिक और सांस्कृतिक रूप से संपन्न समाज हैं पर वह विभिन्न टुकड़ों में बॅटा हुआ और विभिन्न षड्यंत्रों का शिकार हैं, उसे आत्मचिंतन की जरूरत हैं।

........02

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

Government College Sanawal * Distt.-Balrampur (C.G.) * AISHE Code C-50270

डॉ. कर्मानन्द आर्य ने कहा कि प्राचीन साहित्य ने जनजातीय समाज को मनुष्य की गरिमा से नीचे रखा था लेकिन आदिवासी विमर्श ने उनके जीवन को नये रूप में गरिमा प्रदान करते हुए विश्व मंच पर स्थापित करने का काम किया हैं। डॉ. बबलू सिंह ने कहा कि जनजातीय समाज अपने इतिहास को जाने और विज्ञान की नयी टेक्नोलाजी से जुड़कर भविष्य को संवारने का काम करे। डॉ. धर्मेन्द्र कुमार ने अपने उदबोधन में जनजातियों की समस्याओं को रेखांकित करते हुऐ संविधान में किये गये विशेष प्रावधान एवं भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। डॉ. अजय कुमार ने जनजातीय समाज की लोक संस्कृति की चर्चा करते हुए इनके महत्व एवं संरक्षण की बात कहीं। डॉ. प्यारेलाल आदिले ने जनजातीय समाज के राजनीतिक एवं आर्थिक पिछड़ेपन पर प्रकाश डालते हुए विकास की संभावनाओं पर बात की। डॉ.पी.आर.कोरारिया ने आदिवासी समाज के उपर लिखे जा रहे साहित्य पर प्रकाश डाला। डॉ.आर.एस.अग्रवाल ने आदिवासी समाज के इतिहास को रेखांकित करते हुए कहा कि उनका अपना एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक इतिहास हजारों वर्षों से परम्परागत रूप से चला आ रहा हैं जिसके संरक्षण की जरूरत हैं।

प्रत्येक सत्र के समापन पर महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा जनजातीय संस्कृति पर आधारित सामूहिक लोक नृत्य प्रस्तुत किये गये। इस संगोष्ठी में लगभग 250 लोग सम्मिलित हुए जिसमें 70 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया। अतिथियों का स्वागत गुलदस्ते (बुके) से किया गया और उनके उदबोधन उपरान्त स्मृति चिन्ह (मोमेन्टों) प्रदान किया गया। समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सभी उपस्थित जनसमुदाय के लिए चाय-नाश्ते एवं भोजन की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। ऐसे सुदूर अंचल में विद्वतजनों की गरिमामय उपस्थिति एवं उद्‌बोधन से महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं व कुछ पालकों में भी काफी प्रेरणा व उत्साह का संचार हुआ। सभी ने कार्यक्रम की बहुत सराहना की और विभिन्न समाचार पत्रों ने अपने प्रिंट मीडिया में इसे अच्छा कवरेज दिया।

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सनावल
जिला – बलरामपुर (छ.ग.)

Government College Sanawal
AISHE Code C-50270
Distt.-Balrampur (C.G.)

(डॉ. हेमन्त पौले घृतलहरे)
संयोजक / प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय,सनावल
जिला–बलरामपुर (छ.ग.)